Roll No. :

Total No. of Questions 5] [Total No. of Printed Pages : 7

A–101

B.A. (Part–I) Examination, 2022

GENERAL HINDI

(Compulsory Paper)

Time : 1½ Hours] [*Maximum Marks : 100*

नोट :– प्रश्न-पत्र 5 इकाइयों में विभाजित है। निर्देशानुसार प्रश्न हल करने हैं।

इकाई–I

1. (अ) निम्नलिखित अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द-सीमा 150 शब्द) :

(क) दुःख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है। दुःखी वह है जिनका मन परवश में है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हुजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है, वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडम्बर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है। वह वैरागी है। राजा जनक की तरह संसार में रहकर, सम्पूर्ण भोगों का भोगकर भी उनसे मुक्त है। जनक की भाँति वह घोषणा करता है—मैं स्वार्थ के लिए अपने मन को सदा दूसरे के मन में घुसाता नहीं फिरता, इसलिए मैं मन को जीत सका हूँ, उसे वश में कर सका हूँ।

अथवा

दूसरों की बद्धमूल धाराओं पर आघात कर उसकी खिजलाहट पर वे ऐसे ही प्रसन्न होते हैं जैसे होली के दिन कोई नटखट लड़का, जिसने किसी की तीन पैर की कुर्सी के साथ किसी की सर्वांगपूर्ण चारपाई, किसी की टूटी तिपाही के साथ, किसी की नयी चौकी होलिका में स्वाहा कर डाली हो। 5

https://www.mgsuonline.com

(ख) हॉर्टीकल्चर डिपार्टमेंट का सेक्रेटरी साहित्य-प्रेमी आदमी जान पड़ता था। उसने लिखा था, ''आश्चर्य है, इस समय जब हम 'पेड़ लगाओ' स्कीम ऊँचे स्तर पर चला रहे हैं, हमारे देश में ऐसे सरकारी अफसर मौजूद हैं जो पेड़ों को काटने का सुझाव देते हैं, और वह भी एक फलदार पेड़ को, और वह भी एक जामुन के पेड़ को, जिसके फल जनता बड़े चाव से खाती है। हमारा विभाग किसी हालत में इस फलदार वृक्ष को काटने की इजाजत नहीं दे सकता।''

अथवा

कला क्या है ? आत्म का आविर्भाव। प्रत्येक कला अपने आप में एक असमाप्त प्रक्रिया है, क्योंकि हम जानते हैं कि समाप्त होने वाली चीजों से लोग ऊब जाते हैं। प्रत्येक कला में हमारे आत्म में कुछ अपूर्व जोड़ती है। यही उसकी अद्वितीयता है। लोककलाएँ हमारी सामाजिक विरासत का मूर्त रूप होती हैं, जिससे हजारों सालों के अनुभव का भव और समाज का सामूहिक चिंतन भरा होता है। 5

(ब) (क) 'पृथ्वीराज की आँखें' शीर्षक एकांकी का मूलभाव स्पष्ट करते हुए अन्तर्निहित संदेश व्यक्त कीजिए (शब्द-सीमा 250 शब्द)।

अथवा

'ठिठुरता हुआ गणतंत्र' निबन्ध में निहित व्यंग्य की समीक्षा कीजिए। 7

(ख) रांगेय राघव का संक्षिप्त परिचय देते हुए 'अदम्य जीवन' रचना का सार अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

''इस मौसम में मोहर्रम ही ठीक था, होली कुछ जल्दी आई'' में रामविलास शर्मा किस मौसम की ओर संकेत कर रहे हैं। 'भैया के नाम पाती' रचना के आधार पर स्पष्ट कीजिए। 7

https://www.mgsuonline.com

इकाई-II

2. (अ) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (शब्द-सीमा 150 शब्द) :

(क) संतौ भाई आई ग्यौन की आँधी रे।

भ्रम की टाटी सबै उड़ांणी, माया रहै न बाँधी॥

हिति चित की द्वै थूँनी गिराँनी, मोह बलिंडा तूटा।

त्रिस्ना छाँनि परि घर ऊपरि, कुबुधि का भाँड़ा फूटा॥

जोग जुगति करि संतौं बाँधी, निरचू चुवै न पाँणी।

कूड़ कपट काया का निकस्या, हरि की गति जब जाँणी॥

आँधी पीछै जो जल बूठा, प्रेम हरि जन भीनाँ।

कहै कबीर भाँन के प्रगटे उदित भया तम बीनाँ॥

अथवा

कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास

कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास

कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त

कई दिनों तक चूहों की भी हालत रही शिकस्त। 5

(ख) आग

जल रही है

किताबों में

लपालप!

कागज नहीं जलता!

हाथ में उठाये किताब सूरज की

आदमी

अँधेरे में बैठा है।

https://www.mgsuonline.com

अथवा

हम पंछी उन्मुक्त गगन के

पिंजरबद्ध न गा पाएँगे,

कनक-तीलियों से टकराकर

पुलकित पंख टूट जाएँगे।

हम बहता जल पीने वाले

मर जाएँगे भूखे-प्यासे,

कहीं भली है कटुक निबौरी

कनक-कटोरी की मैदा से। 5

(ब) (क) मीरा की भक्ति भावना पर प्रकाश डालिए (शब्द-सीमा 250 शब्द) :

अथवा

वह तोड़ती पत्थर, कविता की मूल संवेदना अपने शब्दों में लिखिए। 7

(ख) दुष्यंत कुमार का संक्षिप्त परिचय देते हुए हिन्दी गजल के क्षेत्र में उनके योगदान पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'आओ, मिलकर बचायें' कविता में निर्मला पुतुल ने आदिवासी समाज की किन विसंगतियों का चित्रण किया है ? समीक्षा कीजिए। 7

इकाई-III

3. (अ) निम्नलिखित गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक देते हुए सारांश लिखिए :

किसी देश की उन्नति एवं अवनति उस देश के साहित्य पर ही अवलंबित है। चाहे वह देश को उन्नति की चरम सीमा पर पहुँचा दे और चाहे तो अवनति के गर्त में गिरा दे। कवि रवि की पहुँच से भी अधिक प्रकाश करता है। वही निर्जीव जाति में प्राण-प्रतिष्ठा करता और निराशापूर्ण हृदय में आशा का संचार करता है। वही राजनीति को प्रेरणा देता तथा राजनीतिज्ञों का पथ-प्रदर्शन करता है। वही अतीत के गौरव गीत गाता है और साथ ही भविष्य की स्वर्णिम कल्पना करता है; वही सोई हुई जाति को जगाता है और उत्साह का संचार करता है। 3+2=5

https://www.mgsuonline.com

इकाई-IV

4 (अ) अनुवाद का महत्त्व बताइए (शब्द-सीमा 50 शब्द)।

अथवा

अनुवाद का अर्थ बताइए। 3

(ब) आदर्श अनुवाद की विशेषताएँ बताइए (शब्द-सीमा 50 शब्द)।

अथवा

अनुवाद के प्रमुख तत्त्व कौनसे हैं। 3

(स) निम्नलिखित अंग्रेजी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Pt. Jawahar Lal Nehru, as Prime Minister of India for seventeen years since the beginning of independence, moulded the character of India which he sought and worked so hard to built. It is now patent, he said that without science and technology we cannot progress. So great was his zeal for science and for the scientific approach to life that he missed no opportunity of imparting his view of others. To quote : "You know that whenever the chance offers itself I say something about the importance of science and its offshoot, technology. I think, we should realise that modern life is an offspring of science and technolgy." (शब्द-सीमा 300 शब्द)।

अथवा

निम्नलिखित राजस्थानी अवतरण का हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

होळी रै उच्छव रा रंग निराळा है। अठै री कला-संस्कृति री बात जगसू न्यारी नै अनूठी है। तीज तिवारां री परम्परा सौंधी माटी री सोरभ सूं जूड़ी है। इण तिंवार में भौतिक अर आध्यात्मिक दोनू तत्व भेळा है। पण आज रै इण आधुनिक युग रै कारण इण पवित्र तिंवार में केई खराबियां आयगी है। सुरीळा गीता री जाग्या गाळी-गळौच अर फूहड़ता लेयली।

https://www.mgsuonline.com